www.aiche.org/ccps

Process Safety Beacon

http://www.aiche.org/CCPS/Publications/Beacon/index.aspx

उत्पादन से जुड़े व्यकितयों के लिये संदेश

This issue sponsored by

ioMosaic

www.iomosaic.com

आपात तैयारी- टायटेनिक दुर्घटना

जुलाई 2012

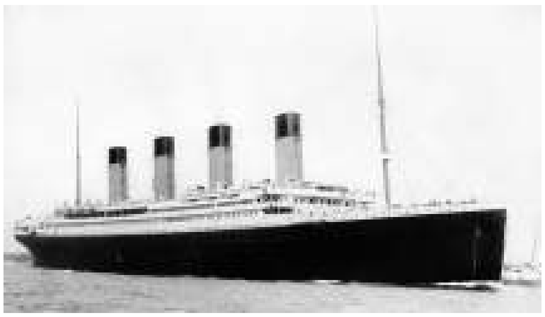

१५ अप्रैल ,२०१२ को उत्तरी अटलांटिक सागर में हिमशैल से टकराने के करीब २ और १/२ बाद समुद्री जहाज *टायटेनिक* डूबने की दुर्घटना को १०० वर्ष पूरे हो गये है. इतिहास की सर्वाधिक चर्चित समुद्री घट्ना में लगभग १५०० व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी. टायटेनिक क्षति के बारे में हजारो पन्ने लिखे जा चुके है और कितनी ही इस विषय पर वृत चित्र और काल्पनिक प्रधान फिल्में बन चुकी है. बहुत सी फिल्में जहाज के निर्माण पहलू को केन्द्रित करती है तो कुछ फिल्मों का विषय जहाज के कप्तान और चालक सदस्यो के इर्द गिर्द घूमता है.कुछ भी मुद्दे हो परन्तु एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान देने से बहुत से लोगों की जान बचायी जा सकती थी- वह है आपात कालीन तैयारी !

टायटेनिक के डूबने से पहले आपात तैयारी में रह गई कुछ विशिष्ट कमियों में शामिल हैं :-

- सभी यात्रियो और चालक सदस्यों के लिये पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक नौका उपलब्ध नही थी- शायद उस के पीछे निर्माण करने वालो की यह सोच कि जहाज कभी डूब ही नही सकता.
- जीवन रक्षक नौका से सम्बन्धित अभ्यास नही किये गये थे और इस लिये बहुत से लोगो को यह पता नही था कि कहां जाये और क्या किया जाये.
- टायटेनिक की दुर्घटना के पश्चात बचाव उपायो में कई नौकाओ में क्षमता के अनुसार लोग नही जा पाये और नौकाओ के कुछ मालिको का डर कि अधिक लोगो के सवार होने से नौका डूब न जाये, इस कारण बहुत से लोगों का बर्फीले पानी से खींचा नहीं जा सका.
- जहाज खाली करने के निर्णय में हुई देर जब कि जहाज के कप्तान और चालक सदस्यो का क्षति का मूल्यांकन में लगे रहना. यदि लोगों के आतंकित होने से पहले कप्तान ने जहाज खाली करना शुरू कर लिया होता तो ज्यादा लोग जीवन रक्षक नावो में भरकर क्रमबद्ध तरीके से बचाये जा सकते थे.

आप क्या कर सकते है ?

➔ प्रोसेस संयंत्र में भिन्न प्रकार की आपात काल ड्रिल को आयोजित करें. आग, रसाव या फैलाव का सामना करना, आश्रय घर , निकासी और अत्यन्त कड़ा मौसम कुछ सामान्य प्रकार की स्थितियां है. हर प्रकार की स्थिति में अपनी जिम्मेवारी समझिये- यह अलग हो सकती है.

➔ ड्रिल या वास्तविक आपात स्थिति में उन कर्मचारियों, आगुन्तकों और श्रमिकों का विशेष रूप से ध्यान रखिये जो यह नहीं जानते कि उन्हें क्या करना चाहिये . उनको सुरक्षा पूर्वक निकलने में सहायता कीजिये.

➔ ड्रिल या आपात काल में आप यदि कोई समस्या देखते हैं तो उसे पर्यवेक्षक को तुरन्त बताइये. कुछ उदाहरण हैं -उपलब्ध समय में कुछ कारवाइयां जो नहीं हो सकती है, आपातकाल स्थिति के कारण कुछ कारवाइयां जो आप सुरक्षा पूर्वक नही कर सकते है, निकास चिन्ह जो कि स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे है या संदेहास्पद हैं ,आपात संकेत या स्पीकर जो स्पष्ट सुनाई नहीं दे रहे हैं , आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं है या सुचारू रूप से काम नही कर रहे है. अपनी टिप्पणी तुरन्त बताये- यह किसी दिन जीवन दान करेगी .

➔ ड्रिल को गम्भीरता से करें और दूसरो को अच्छी प्रकार से करने के लिये प्रेरित करें. ऐसा मत सोचिये कि ड्रिल एक औपचारिक और सामाजिक घटना हैजिसका उद्देश्य लोगों को केवल एकत्रित करना है.

➔ जब आप दूसरे उद्योगो में हुई घटनाओ को पढ़ते है तो यह सोचिये कि इससे आप क्या सीख सकते हैं जिस से आप के स्थान की सुरक्षा और बढ़ सके !

➔ खराब आपात योजना और स्थिति का सामना करने के लिये पर्याप्त ज्ञान का अभाव होने से आपके संयंत्र की हानि हो सकती है , ऐसा मत होने दीजिये.

सभी प्रोसेस सुरक्षा सीखें आपने कार्य स्थल से नही मिलती है

AIChE © 2012. सभी अधिकार सुरक्षित.शैक्षिणक और ग़ैर लाभ उदेश्यो के लिये पुन प्रकाशन को प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है. परन्तु बिक्री के उद्देश्य से इसका पुन प्रकाशन कठोर वर्जित है. हमें ccps_beacon@aiche.org या 646-495-1371 पर सम्पर्क करें.

यह बीकान सामान्यता अरेबिक, अफ्रीकान, चीनी, डेनिश, डच, फ्रेन्च, जर्मन, ग्रीक, गुजराती, हिन्दी, हेब्रु, इटआलियन, जापानी, कोरियन, मलय, मराठी, नोर्वेगियन, परसियन, पोलिश, पुर्तग़ीज, रूमानियन, रसियन, सपेनीश, स्वीडिश, तेलगु, थाई और वियतनामी भाषाओ में उपलब्ध है. Translated into Hindi by Vivek Ranjan Gupta, Bharat Petroleum Corporation Limited, Mumbai Refinery, Mumbai -400 074